29 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS12

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKE-19/B013

Center & Date: DELHI 29/08/19

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये। (150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire. (150 words) 10

कल्याणकारी राज्य ऐसी व्यवस्था होती है, जिसमें राज्य नागरिकों की आवश्यकता पूर्ति हेतु विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका निभाता है। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य

लोकसेवा भी राज्य की इसी प्रकृति को व्यावहारिक स्वरूप देती है।

लोक सेवा मूल्य = लोक सेवकों के लिए कर्तव्य निष्पादन में आवश्यक मूल्य। जैसे -

i) सत्यनिष्ठा = सुदृढ़ नैतिक सिद्धांतों को धारण करना तथा पालन करना। विभिन्न मूल्यों को एकीकृत करना

कर्तव्य लोकसेवक जनता के साथ संबंधों को मधुर बनाकर लोकतंत्र में जन विश्वास को मजबूत कर सकता है।

ii) वस्तुनिष्ठता = पूर्वाग्रह से मुक्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रहकर तार्किक आधार पर निर्णय लेना।

मानसिक संलग्नता का साम्य व न्यायोचित वितरण होने से विकास प्रशासन व्यावहारिक बन पाता है।

iii) निष्पक्षता = सभी विचारों, तथ्यों को समान महत्व देना।

इससे आपसी संघर्षों को कम करने में मदद मिलती है।

iv) करुणा = स्वयं को दूसरे की स्थिति में रखकर सोचना तथा दुःख-दर्द को कम करने का प्रयास करना।

(v) भावनात्मक समझ = स्वयं की व दूसरों की भावनाओं को समझना, विश्लेषित करना व प्रबंधित करना।

उपरोक्त गुण मूल्य लोकसेवक के कार्यों को प्रभावी बनाकर लक्ष्य पूर्ति में सहायता कर सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता : इससे तात्पर्य शासन-व्यवस्था में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता, वस्तुनिष्ठता जैसे गुणों को शामिल करने व व्यवहार में प्रयुक्त करने से है।

आपराधिक न्याय प्रणाली : इसमें पुलिस, न्यायालय तथा जेल को शामिल किया जाता है, जो विधि क्रियान्वन व न्याय की संपूर्ण प्रक्रिया संचालित करते हैं।

आपराधिक न्याय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता क्यों -

i) NCRB के आँकड़ों के मुताबिक भारतीय जेलों में क्षमता से 15% अधिक कैदी हैं तथा न्यायालयों में लगभग 3.5cr मामले लंबित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, जटिल व महँगी कार्यप्रक्रिया के कारण जनता तक पहुँच में कमी से अभिशासन की अवधारणा का क्षीण होना।

(iii) जेलों में हिंसा, अपराध व प्रभावी व्यक्तियों को विशेष व्यवहार आदि की घटनाओं के कारण प्रशासन पर जन विश्वास का ह्रास।

(iv) औपचारिक न्याय प्रणाली के मजबूतीकरण से जवाबदेहिता, निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता में वृद्धि फलतः गलत को सजा व सही को संरक्षण से शासन की संवेदनशीलता में वृद्धि

प्रयास -

(i) पुलिस सुधार हेतु गठित रिबेरो समिति, पद्मनाभैया समिति की सिफारिशें।

(ii) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) जब लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमज़ोर होता है तथा राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही के मध्य शक्ति का वितरण अस्पष्ट होता है तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

The scope for corruption increases when control on the public administrators is fragile and the division of power between political executive and bureaucracy is ambiguous. Justify. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक व प्रशासनिक कार्यपालिका राष्ट्र के विकास का मुख्य आधार होती है। सामान्यतः इसी को सरकार रूप में भी अभिव्यक्त का लिया जाता है, जो इसके महत्व को रेखांकित करता है।

दोनो के बीच संबंध व समस्या-

i) लोक प्रशासन व पर विभागीय नियंत्रण में कमी से स्वविवेकाधीन शक्ति बढ़ जाना तथा जवाबदेहिता का ह्रास होना फलतः भ्रष्टाचार में वृद्धि जैसे कानून क्रियान्वयन हेतु रिश्वतखोरी आदि।

ii) प्रशासकों पर राजनीतिक कार्यपालिका का नियंत्रण कमजोर होने से जन-उत्तरदायित्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की आकांक्षा कमजोर होने लगती है। जो भ्रष्टाचार बढ़ाती है। लंबे गठबंधन सरकारों के काल में लोक सेवकों की शक्ति बढ़ जाना।

(iii) राजनीतिक कार्यपालिका व नौकरशाही के बीच शक्ति के अस्पष्ट वितरण से जवाबदेहिता, कार्यकुशलता, दक्षता जैसे तत्वों का ह्रास। फलतः परिणामों को एक-दूसरे पर डाल देने की प्रवृत्ति के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ाता। जैसे- कार्य निर्णय पर मतभेद, कानूनी अस्पष्टता आदि।

उपाय-

(i) code of conduct को प्रभावी, दबावक बनाना।

(iii) outcome assessment, सामाजिक अंकेक्षण जैसी प्रविधियों द्वारा शासन व प्रशासन दोनों पर नियंत्रण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

परीक्षार्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गाँधी का उपरोक्त कथन धन संपत्ति के अर्जन तथा उसके सही उपयोग की व्यवस्था को रेखांकित करता है।

कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था = कॉर्पोरेट-नियम, कंपनी में व्यावसायिक नैतिकता के नियमों को लागू करना।

गाँधीजी संपत्ति अर्जन के विरोधी नहीं हैं (समाजवाद विरोधी है)। वे इसे न्यायोचित मानते हैं, परंतु साथ ही उसके उपयोग को केवल स्वयं तक ही सीमित न रखकर समाज हित में करने के पक्षधर हैं, ताकि केंद्रीकरण व असमानता को रोका जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कथन का वर्तमान परिप्रेक्ष्य -

i) कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रदत्त कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) की अवधारणा इसी विचार के अनुरूप है जो कंपनी के लाभ के एक निर्धारित अंश को समाजहित में खर्च करना अनिवार्य बनाती है।

ii) उद्योगों में कर्मचारियों की बढ़ती भागीदारी। जैसे श्रमिक संघ आदि की भूमिका।

iii) कंपनी में शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत किया जाना।

सीमाएँ -

i) सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू न होना

ii) पूँजीवाद व निजीकरण के कारण उत्पन्न सीमाएँ।

उपाय -

i) लेखांकन व लेखा परिक्षण प्रणाली को [illegible]।

ii) [illegible] को कम करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूचना का अधिकार : स्वतंत्रता से शुरुआत

- भारत में 2005 में कानूनी स्वरूप दिया गया।
- संविधान में अनुच्छेद 19 के तहत शामिल।
- सत्याग्रह तंत्र के रूप में राष्ट्रीय, राज्य स्तर पर सूचना आयोगों का गठन।

महत्व -

i) सार्वजनिक अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निर्णय, निर्णयन प्रक्रिया का पारदर्शी बनना।

ii) स्पष्टीकरण मांगे जा सकने के कारण भ्रष्टाचार में कमी।

iii) जनता की आंकड़ों तक पहुंच में वृद्धि

iv) शासन-प्रशासन में गोपनीयता की संस्कृति के स्थान पर सूचना की संस्कृति का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकास।

iv) नवीन लोक प्रशासन द्वारा विकास प्रशासन की तरफ कदमों को गति मिलना।

v) जनता की प्रशासन में भागीदारी में वृद्धि, नागरिक सशक्तीकरण को बढ़ावा।

सीमाएँ -

i) कई संस्थाएँ बाधा जैसे अनुच्छेद 370 (8), न्यायपालिका।

ii) धारा (4) [सूचना की स्वतःउद्घोषणा] का कमजोर क्रियान्वयन।

iii) RTI Act में हालिया संशोधन द्वारा आयोग के सदस्यों के वेतन, कार्यकाल निर्धारण का अधिकार केंद्र सरकार को।

उपाय -

i) डिजिटलीकरण में वृद्धि करना।

ii) जन सूचना अधिकारी (PIO) पद को सशक्त बनाना तथा पर्याप्त प्रशिक्षण।

iii) पारदर्शिता लाना कम करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रशासनिक व्यवहार = प्रशासन द्वारा संपन्न क्रियाकलाप, जो जनता से जुड़े होते हैं तथा उससे प्रेरित-प्रभावित होते हैं।

प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की उप-संस्कृति के रूप में -

i) प्रशासनिक कर्मचारी उसी समाज का हिस्सा होते हैं, जहाँ व जिसके हित वे कार्य करते हैं।

ii) प्रशासन द्वारा लक्ष्य पूर्ति हेतु उस क्षेत्र की संस्कृति व समाज व्यवस्था के अनुरूप स्वयं के अनुकूलन का प्रयास करना। जैसे जनजातीय क्षेत्रों में प्रशासन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) प्रशासन पर स्थानीय परंपराओं, प्रथाओं का अनौपचारिक दबाव जैसे धार्मिक त्यौहार, सामाजिक पर्व।

(iv) प्रशासन द्वारा समाज व्यवस्था की निरंतरता बनाए रखने का प्रयास किया जाना। जैसे सामाजिक सौहार्द, कला व संस्कृति का संरक्षण।

भिन्न विशेषताएँ –

(i) प्रशासन द्वारा कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया जाना जैसे जातिभेद निषेध।

(ii) तर्कशीलता, वस्तुनिष्ठता के द्वारा असंतुलनों में कमी के प्रयास करना। जैसे वेतन अंतराल, लैंगिक भेद।

वस्तुतः प्रशासनिक व्यवहार समाज की एक उपसंस्कृति के साथ आधुनिकता के तत्वों के प्रवेश को दर्शाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448483517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निगमित सामाजिक दायित्व - कंपनी अधिनियम के तहत गठित संस्थाओं द्वारा अपने लाभ के एक निश्चित अंश को सामाजिक हित में खर्च करने का दायित्व।

- कंपनी अधिनियम, 2013 द्वारा कानूनी मान्यता दी गई।

CSR की प्रकृति -

1) सामाजिक दायित्व = a. समाज के भीतर एकत्र लाभार्जन के कारण सामाजिक समस्याओं को दूर करना उनकी जिम्मेदारी है।

b. शिक्षा, स्वास्थ्य के विकास में सहयोग से राज्य के विकास कार्यों को मदद।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) नैतिक दायित्व = a. CSR द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन, शरणार्थी समस्या आदि प्रयासों समस्याओं के समाधान में मदद। फलतः समाज के प्रति नैतिक दायित्व की पूर्ति।

b. CSR के कारण कंपनी के भीतर भी अच्छी कार्यसंस्कृति के विकास, सहिष्णुता, नवाचार के कारण नैतिकता के पक्षों का मजबूत होना।

c. पर्यावरण संरक्षण, वंचित वर्गों का कल्याण आदि लक्ष्य केवल राज्य, व्यक्ति के ही नहीं, बल्कि कंपनी का भी नैतिक दायित्व।

CSR की सीमाएँ -

ii) अप्रभावी क्रियान्वयन पारदर्शिता की कमी।

iii) भ्रष्टाचार। किए गए कार्यों का मूल्यांकन नहीं।

उपाय -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ii) प्रावधानों में [illegible] भागीदारी में वृद्धि करना। नए क्षेत्रों का समावेशन।

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ई-शासन = शासन व्यवस्था में सूचना-प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना।

- 2006 में राष्ट्रीय ई-शासन परियोजना द्वारा वृहद स्तर पर शुरुआत।
- IT Act आदि द्वारा विनियमन।

महत्व-

(i) डिजीटलीकरण को बढ़ावा मिलने के कारण आँकड़ों तक जन-पहुँच में वृद्धि फलतः RTI, नागरिक अधिकार पत्र के कारण प्रशासनिक जवाबदेहिता में वृद्धि।

(ii) लेखा प्रणालियों के सरलीकरण व मानकीकरण के कारण जाँच में आसानी तथा गलतियों को पकड़ने में आसानी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) सेवा वितरण व सेवा प्राप्ति में जनाधार में वृद्धि। प्रत्यक्ष संपर्क के कारण लागत में कमी, दक्षता में वृद्धि। बिचौलियों की समाप्ति।

iv) गोपनीयता की संस्कृति के स्थान पर सूचना की संस्कृति का विकास।

v) कार्यों के स्पष्टीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण स्वविवेकाधीन शक्तियों के दुरुपयोग में कमी फलतः भ्रष्टाचार में कमी।

सीमाएँ -

i) डिजिटल साक्षरता में कमी का कम होना।

ii) रूढ़िवादी प्रशासन।

iii) आधारभूत अवसंरचना का न्यून स्तर।

उपाय -

i) PMGDISHA आदि प्रयासों द्वारा डिजिटल साक्षरता प्रसार।

ii) प्रशासनिक व्यवस्था, प्रक्रिया को पारदर्शी व दक्ष बनाने पर बल जैसे डिजिटल भारत अभियान।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान वैश्वीकरण के दौर में कोई भी राष्ट्र पूर्णतः अलग रहकर अपनी स्वतन्त्रता नहीं चला सकता है। परंतु प्रत्येक राष्ट्र के राष्ट्रीय हित अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में हित संघर्ष भी उत्पन्न करते हैं। जैसे

(i) विकसित राष्ट्रों द्वारा वर्ल्ड बैंक, IMF द्वारा विकासशील राष्ट्रों पर वित्तीय नियंत्रण के प्रयास, जबकि विकासशील राष्ट्रों द्वारा विकास हेतु सस्ते ऋण की मांग।

(ii) प्रवसन, शरणार्थी समस्या पर विकसित व विकासशील राष्ट्रों के मध्य संघर्ष।

(iii) व्यापार के क्षेत्र में आर्थिक संरक्षणवाद 19वीं सदी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम व विकास की आकांक्षा को लेकर राष्ट्रों में संघर्ष।

(iv) अपने राष्ट्रीय हित पूर्ति हेतु आतंकवाद, चरमपंथ आदि को साधन बनाने को लेकर अन्य देशों के साथ उनके संघर्ष।

(v) अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में नियम आधारित व्यवस्था पर असहमति।

उपाय -

(i) अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का लोकतांत्रीकरण व सशक्तीकरण। जैसे UNO आदि।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक प्रथाओं का समावेशन। यथा - संघात्मकता, समन्वय, वस्तुनिष्ठता आदि।

(iii) राष्ट्रीय हित के साथ दीर्घकालिक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय हित को भी प्राप्त करने हेतु प्रयास। जैसे SDG लक्ष्य।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

अर्थ - लक्ष्य प्राप्ति में बाधाओं/प्रलोभनों से न घबराना तथा निष्पक्षता प्रभावित न होने देना

प्रासंगिकता -

ii) वस्तुनिष्ठता से विकास प्रशासन को प्राप्त कर पाना संभव।

iii) कारण आदि के प्रयोग से मात्रात्मक लक्ष्य के साथ गुणात्मक लाभों को प्राप्त किया जा सकेगा।

जैसे लाभार्थियों को योजना लाभ वितरण के समय अनुचित राजनैतिक हस्तक्षेप से मुक्त रहना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) जवाबदेहिता

Accountability

अर्थ = कार्य के प्रति उत्तरदायी रहना, कमी होने पर सुधार करना तथा निर्णय का स्पष्टीकरण देना।

प्रासंगिकता = i) प्रशासनिक स्वविवेकाधीन शक्ति के दुरुपयोग में कमी से भ्रष्टाचार में कमी

ii) प्रक्रियाओं में एकरूपता का बने रहना

iii) लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जन-चेतना में वृद्धि जैसे संवैधानिक जवाबदेही।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) विधि का शासन

Rule of law

अर्थ: स्थापित प्रक्रिया, नियम, विनियम के अनुसार कार्य-संचालन, न कि स्व-विवेक से शासन संचालन।

प्रासंगिकता - a. स्वतंत्रता, अधिकार की वास्तविक प्राप्ति संभव।

b. समाज में अव्यवस्था फैलने से रोकने में सहायता फलतः सामाजिक एकीकरण में सहायक।

c. सभी की न्याय तक पहुंच संभव हो पाना।

यथा- उल्लंघन पर आपराधिक न्याय प्रणाली का उपयोग करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) हित-संघर्ष

Conflict of interest

अर्थ = व्यक्तिगत हित व कार्यकारी मूल्य के बीच संघर्ष की स्थिति

प्रासंगिकता- a. हित संघर्ष की स्थिति में वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता जैसे तत्वों का प्रभावित होना जो कार्यालय में पारदर्शिता, जवाबदेहिता को भी प्रभावित करता है।

b. लागत दक्षता का ह्रास प्रभावोत्पादकता में कमी जैसे- प्रशासक द्वारा किसी भवन निर्माण टेंडर को परिचित संबंधी को देना

उपाय -

a. code of conduct का पालन करना।

b. हित संघर्ष के समय अंतरात्मा की आवाज व भावनात्मक समझ से सही करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(e) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत

Principles of natural justice

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अर्थ = कोई भी व्यक्ति अपने मामले में निर्णयकारी नहीं हो सकता। प्रत्येक को सुनवाई का एक मौका अवश्य मिलना चाहिए।

प्रासंगिकता = a. निष्पक्षता को व्यवहारतः क्रियान्वित का पाना संभव।

b. प्रशासन में जनसहभागिता में वृद्धि।

c. अनुचित निर्णयों से जनता के अधिकारों के उल्लंघन से बचाव संभव।

जैसे- अर्द्ध नियामकीय विभिन्न प्रशासनिक अभिकरण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

कन्फ्यूशियस का उपरोक्त कथन औचित्य के महत्व को रेखांकित करता है।

न्याय-परायणता = नैतिकता को ध्यान में रखकर व्यवहार करना, निर्णय लेना।

इसमें वस्तुनिष्ठता, करुणा, निष्पक्षता, वंचित को सर्वाधिक लाभ जैसे तत्वों का भी समावेशन होता है।

लाभ –

i) लाभों के अधिकतम साम्य वितरण से सामाजिक असमानता में कमी फलतः संघर्षों में कमी से शांति की स्थापना

ii) समस्या समाधान का दृष्टिकोण रखने से आपसी आवेशता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में सभी समुदायों के बीच सहिष्णुता में वृद्धि।

iii) जनता की प्रशासन में सहभागिता में वृद्धि। फलतः उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता में वृद्धि से सुशासन संभव। जैसे नागरिक अधिकार पत्र।

iv) स्वस्थ राजनैतिक संस्कृति का विकास। जनता में सकारात्मक राजनीतिक मनोवृत्ति का विकास। इससे लोकतांत्रीकरण व विकेंद्रीकरण को बढ़ावा मिलता है।

वस्तुतः न्याय पारायणता व्यवहार को रूढ़िवादी मात्र न बनाकर अनुसंधान, न्यायोचित निर्णय का शांति तथा सुशासन को सशक्त करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गाँधी का उपरोक्त कथन लोकतंत्र को सामाजिक सशक्तीकरण तथा समावेशन के रूप में देखने को संदर्भित करता है।

सामान्यतः लोकतंत्र को मात्र राजनीतिक भागीदारी में समानता तक ही समझा जाता है परंतु गाँधीजी के अनुसार यह एकांगी मार्ग है।

लोकतंत्र वस्तुतः अवसरों की समानता सुनिश्चित करता है तथा कमजोर को भी मजबूत के समान पर्याप्त प्रदान कर विकास की संभावनाएँ प्रदान करता है। यह विषमता को कम कर एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान संदर्भ / महत्त्व -

(i) सामाजिक न्याय की प्राप्ति हेतु वंचित वर्गों के सशक्तीकरण को प्रेरित करता है।

(ii) दान - आय - सूचना की अत्यमानता के कारण कमजोर वर्गों लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(iii) लोकतंत्र को मात्र एक राजनीतिक विधा न मानकर एक जीवनशैली के रूप में अपनाने का संकेत देता है, जो मानवीय गरिमा जैसे लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है।

सारांशतः ~~न्याय~~ ~~धारा~~ लोकतंत्र न्याय पर आधारित व्यवस्था को प्रतिबिंबित कर पूर्ण मानवीय विकास को संभव बना सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू (150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". –Aristotle (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अरस्तू का उपरोक्त कथन शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य व प्रक्रिया को प्रकट करता है।

शिक्षा वस्तुतः मात्र मस्तिष्क को सक्रिय करने, नए विचारों से दो-चार होने तक सीमित नहीं, बल्कि हृदय की अंतरात्मा को जगाने तथा वास्तविकता को पहचानने से भी संबंधित है।

हृदय की शिक्षा व मस्तिष्क की शिक्षा में संबंध -

i) मात्र मस्तिष्क को शिक्षित करने तथा हृदय को शिक्षित न करने पर व्यक्ति भ्रष्ट, स्वार्थी विध्वंसक आचरण कर सकता है क्योंकि हृदय की शिक्षा नैतिकता का उच्च आधार रखता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) हृदय की शिक्षा सद्गुणों का विकास करेगी, जो आत्म के अनुसार न्याय व नैतिकता है।

(iii) केवल मस्तिष्क की शिक्षा संसाधनों के असमान वितरण; केंद्रीकरण को बढ़ाकर सामाजिक संघर्षों को जन्म दे सकती है

(iv) केवल मस्तिष्क की शिक्षा से वस्तुनिष्ठता, तर्कशीलता जैसे गुणों का विकास * तो किया जा सकता है, परंतु करुणा, भावनात्मक समझ जैसे गुणों के अभाव में लोक कल्याणकारी राज्य, विकास प्रशासन के लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो पाएगी।

इसी कारण शिक्षा के व्यापक स्वरूप को अपनाने पर बल दिया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem. (250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी हाल ही में अंडमान-निकोबार द्वीप में गठित एक घटना से प्रेरित है, जो आदिवासी स्वायत्तता व बाह्य मानवीय हस्तक्षेप के संघर्ष को प्रतिबिंबित करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

केस स्टडी में -

हितधारक	हित
(i) आदिवासी	• स्वायत्तता बनाए रखना।
(ii) विदेशी पर्यटक	• मनोरंजन।
(iii) स्थानीय मछुआरे	• लाभार्जन।
(iv) सरकार	• सभी संस्कृतियों का संरक्षण हो। • अनुचित बाह्य हस्तक्षेप न हो।
(v) मैं (टीम का नेतृत्वकर्ता	• मामले की जाँच करना।

केस स्टडी में नैतिक मुद्दे -

(i) कानून उल्लंघन के कारण विधि के शासन का मुद्दा।

(ii) सांस्कृतिक विविधीकरण के संरक्षण का मुद्दा।

(iii) आदिवासियों की स्वायत्तता का मुद्दा।

टीम के नेतृत्वकर्ता के रूप में मेरे लक्ष्य -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

a. आदिवासियों की व उनकी संस्कृति को बचाए रखने के प्रयास करना।

b. उल्लंघनकर्ताओं पर आवश्यक कार्यवाही।

c. भविष्य में ऐसी घटनाओं के दोहराव को रोकने हेतु कदम।

रणनीति -

ii) तात्कालिक कदम -

a. आदिवासी मामलों के जानकार होने के चलते आदिवासियों की यातनाओं को समझना तथा उनके द्वारा ऐसा किए जाने के कारणों को छानबीन करना।

b. पीड़ित व्यक्ति के पुनर्वास करने के मार्ग, प्रक्रिया का पता लगाना।

c. चूंकि कानून पुनर्वास निषेध था अतः पुनर्वास में सहायता करने वाले सहायकों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की पहचान करना तथा आवश्यक कार्यवाही की सिफारिश करना।

d. मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना ताकि अवैध प्रवेश को रोकने में रह गई चूक तथा जिम्मेदार कर्मचारियों का पता लगाया जा सके।

e. भावनात्मक समस्या तथा आपदाओं को विश्वास में लेना कि उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप व उनकी स्वायत्तता जैसे मुद्दे प्राथमिक हैं तथा उल्लंघन पर कठोर कार्यवाही की जा रही है।

(iii) दीर्घकालिक रणनीति -

a. कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाना। जैसे प्रशिक्षण, बेहतर व उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग। जैसे ड्रोन, GIS प्रणाली।

b. पेट्रोलिंग आदि में वृद्धि कर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अवैध प्रवेश को रोके जाने हेतु कदम उठाना।

c. आदिवासी संस्कृति के संरक्षण हेतु धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर निषेध, पर्यटन पर निषेध को सख्त रूप से क्रियान्वित करना।

d. कानून के बारे में जागरूकता प्रसार का बाकी लोगों को वहाँ न जाने हेतु आगाह करना, मुख्यतः नजदीकी क्षेत्रों में।

e. स्थानीय मुखियाओं के साथ सहभागिता को बढ़ाना तथा आवश्यक रक्षात्मक उपाय अपनाना जैसे उन्हें कार्ड आदि देकर पहचान सुनिश्चित करना, कानून क्रियान्वयन में शामिल करना, पर्याप्त विनियमन निर्माण करना।

इससे न केवल स्थानीय संस्कृति संरक्षण, बल्कि विधि के शासन को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. लोकसेवकों का यह कर्त्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem? (250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी लोकसेवकों के अपने मूल उद्देश्य से विचलित होने की गंभीरता को दर्शाती है। जो अब एक समस्या का रूप धारण करती जा रही है।

केस स्टडी में -

हितधारक

i) भ्रष्ट लोकसेवक

हित

निजी स्वार्थपूर्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) सरकार • लोकसेवा में सुधार करना।

(iii) मैं (बोर्ड का चैपरमेन) • सुधार हेतु आवश्यक सिफारिशें करना।

लोकसेवकों में उभरती नकारात्मक प्रवृत्तियों के कारण -

(i) मूल्य आधारित शिक्षा (प्रारंभिक स्तर से) का अभाव।

(ii) प्रशिक्षण व्यवस्था का व्यावहारिक समावेशी न होना।

(iii) उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद, भौतिकतावाद की बढ़ती प्रवृत्ति।

(iv) ~~स्वविवेक~~ स्वविवेकाधीन शक्तियों के पर्याप्त विनियमन का अभाव। code of ethics का अभाव व code of conduct का अप्रभावी होना।

(v) legal loopholes।

(vi) कमजोर आपराधिक न्याय प्रणाली। फलतः शीघ्र न्याय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व सजा न मिल पाने के कारण नकारात्मक व्यवहारों को परोक्ष प्रोत्साहन मिलना।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम -

i) पाठ्यक्रम में नीतिशास्त्र विषय को सम्मिलित किया जाना।

ii) प्रारंभिक प्रशिक्षण के साथ ही सेवा के दौरान प्रशिक्षण पर ध्यान। प्रशिक्षण व्यवस्था को बहुआयामी बनाने पर ध्यान। जैसे commit कार्यक्रम UNDP के सहयोग से।

iii) आचरण संहिता को अद्यतन किया जाना कई नए प्रावधानों का समावेशन। जैसे पद के दुरुपयोग आदि।

iv) ई-शासन के माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेहिता में वृद्धि के प्रयास।

v) RTI, नागरिक अधिकार पत्र, सामाजिक अंकेक्षण द्वारा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जन सहभागिता में वृद्धि कर प्रशासन को पारदर्शी, समावेशी बनाने के प्रयास।

(vi) CVC, ED, लोकपाल आदि संस्थागत माध्यमों से जांच प्रक्रिया को सशक्त बनाया जाना, ताकि अपराधी हतोत्साहित हो।

(vii) न्याय प्रणाली में सुधार द्वारा न्यायिक निर्णयन को प्रभावी बनाना। जैसे विधि मंत्रालय की LIMBS पहल, ई-कोर्ट मिशनमोड प्रोजेक्ट।

बोर्ड के चैयरमेन के रूप में मेरे उद्देश्य -

(i) अग्रसक्रिय दृष्टिकोण अपनाते हुए नैतिकता ह्रास को रोकना।

(ii) दोषियों को दंड सुनिश्चित करने हेतु सिफारिशें।

सिफारिशें -

(i) प्रशिक्षण के मूल्यांकन की व्यवस्था को सशक्त बनाना। जैसे -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परीक्षा आदि; ताकि उसकी तात्कालिक लाभ प्राप्ति हो सके।

iii) 360° मूल्यांकन व outcome assessment जैसी प्रतिधियों को अपनाया जाए।

iiii) राजनेता- लोक सेवक गठजोड़ कम करने हेतु स्थानांतरण आदि प्रक्रिया में स्पष्टता, पारदर्शिता लाने हेतु सिफारिश। यथा - लोक सेवक बोर्ड का गठन करना।

iiv) कानूनों के अभाव, कानूनों के दोहराव को समाप्त कर प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल।

iv) कानून उल्लंघन, भ्रष्टाचार के मामलों में जाँच प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु जाँच एजेंसियों को प्रशिक्षित कार्मिक बल, तकनीकी प्रयोग की सिफारिश। ताकि यह अन्य के लिए निवारक का कार्य करे।

(v) न्याय प्रणाली- जमानत व्यवस्था में सुधार हेतु सिफारिशें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस ज़िले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपरोक्त केस स्टडी धार्मिक स्वतंत्रता बनाम व्यक्तिगत जीवन, समानता के अधिकार के द्वंद्व को इंगित करती है, जैसा कि पिछले कुछ समय में सबरीमाला मंदिर, शनि सिंगनापुर मंदिर, हाजी अली दरगाह आदि मामलों में देखा गया।

उपरोक्त केस स्टडी में -

हितधारक	हित
(i) मंदिर	• धर्मस्थल प्रवेश • अधिकारों की समानता का विचार
(ii) मुस्लिम महिलाएँ	
(iii) कुछ धार्मिक समूह व राजनीतिक दल	• धर्म में राज्य के हस्तक्षेप का विरोध • निजी स्वार्थपूर्ति
(iv) न्यायपालिका	• आधुनिक मूल्यों के अनुसार न्याय-निर्णय
(v) मुस्लिम (जिलाधिकारी)	• न्यायपालिका के आदेशों का क्रियान्वयन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दे -

ii) न्यायालय के आदेश का क्रियान्वयन करने संबंधी विधि के शासन का मुद्दा।

iii) शांति-व्यवस्था बनाए रखने का मुद्दा। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा।

iii) तीसरी पक्ष को विश्वास में लेने हेतु भावनात्मक स्पर्श के प्रयोग का मुद्दा।

iv) अधिकार व स्वतंत्रता के बीच द्वंद्व का मुद्दा।

v) प्रशासनिक सत्यनिष्ठा व व्यक्तिगत भावनाओं को नियंत्रित करने का मुद्दा, ताकि वस्तुनिष्ठ तरीके से कार्यवाही की जा सके।

अवलब्ध विकल्प -

i) न्यायालयी आदेश का कठोरतापूर्वक बलप्रयोग करके क्रियान्वयन -

गुण : आदेश की पालना संभव।
महिलाओं के अधिकार सुरक्षित रहसकेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दोष = शांति - व्यवस्था के भंग होने का खतरा।
- प्रशासन व जनता के बीच दूरी बढ़ेगी।
- हो सकता है कि लोग निर्णय को स्वीकार ही न करें।

(2) यथास्थिति बनाए रखना -
गुण - विरोध की संभावना न्यून हो जाएगी।
सामूहिक धार्मिक स्वतंत्रता का संरक्षण।

दोष - न्यायालयी आदेश के विरुद्ध
- महिला अधिकारों की अवहेलना।

कार्यवाही -
i) जिलाधिकारी होने के नाते न्यायालयी आदेश की क्रियान्वयन प्राथमिक व मूल उद्देश्य है।

ii) इस हेतु मौजूदा प्रशासन, विरोध कारी शक्तियों, राजनीतिक दलों तथा आम लोगों के प्रतिनिधि के साथ बातचीत की जाएगी।

iii) भावनात्मक समझ के का प्रयोग कर उन्हें समझाया जाएगा कि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान आधुनिकता के मूल्य पर उनका विरोध तर्कसंगत नहीं है तथा यह वैधानिकतः भी उचित नहीं है [न्यायालयी आदेश की अवमानना]।

(iv) साथ ही शांति-व्यवस्था भंग होने की स्थिति में उन्हें भी कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है।

(v) महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल व सहायक बलों की तैनाती की जाएगी। आपातकालीन परिस्थिति से निपटने हेतु अतिरिक्त बल भी तैनात किया जाएगा।

(vi) स्थानीय प्रभाव रखने वाले प्रबुद्ध जनों, संस्थाओं, नागरिक समूहों को भी विरोध को कम करने की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

(vii) किसी भी प्रकार की हिंसक गतिविधि होने की स्थिति में हिंसा फैलाने वाले तत्वों पर आवश्यक कठोर कार्यवाही की जाएगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour' and 'equal opportunities' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

उपरोक्त प्रकरण पिछले कुछ समय में खेल नैतिकता प्रतिमान के ह्रास को संबोधित करता है, जो खेल से जुड़े विभिन्न हितधारकों के सम्मिलित प्रभाव का परिणाम है। जैसे एक टी.वी. शो में महिलाओं के प्रकरण में विरुद्ध अभद्र टिप्पणी

हितधारक -

(i) खेल से जुड़े व्यक्ति = विवादित टिप्पणियाँ देना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) खेल गतिविधि से जुड़े सहायक व्यक्ति।

iiii) आम जनता।

iiv) खेल विनियामक संस्थाएँ।

प्रकाश में निहित नैतिक मुद्दे -

i) खेल नैतिकता में गिरावट का मुद्दा।

ii) खेल विनियामकों की सत्यनिष्ठा पर प्रश्नचिह्न।

iii) जनता के अपने रॉल-मॉडल के प्रति विश्वसनीयता में ह्रास।

iv) निजी स्वार्थपूर्ति हेतु सामाजिक दायित्व के उल्लंघन का मुद्दा।

परिणाम -

i) सामाजिक नैतिकता में भी गिरावट।

ii) पीड़ित वर्ग के मनोबल का ह्रास।

iii) संघर्ष वृद्धि की संभावना।

iv) बढ़ते उपभोक्तावाद, भौतिकतावाद व मूल्य विहीन शिक्षा का परिचायक।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेल विनियामक संस्था के प्रमुख के रूप में मेरे द्वारा सुझाव -

(i) खेल आचरण संहिता में सार्वजनिक मंचों पर दिए जाने वाले भाषणों, कथनों, विचारों के बारे में पर्याप्त व व्यापक उल्लेख सुनिश्चित करना; ताकि अस्पष्टता को दूर किया जा सके।

(ii) मीडिया में खिलाड़ियों की अत्यधिक व अवांछित प्रतिनिधियों को विनियमित करना।

(iii) सेवेदित मीडिया चैनल की जवाबदेही तय करने हेतु निकाय का गठन, ताकि केवल TRP बढ़ाने के प्रयास में अभद्रता, अनैतिकता को बढ़ावा न मिले।

(iv) ऐसे प्रकरणों में शिकायत निवारण हेतु सशक्त व प्रभावी तंत्र का गठन, ताकि न केवल दोषियों पर आवश्यक कार्यवाही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हो सके, बल्कि पीड़ितों को भी एक मंच उपलब्ध हो सके।

(v) व्यापक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा प्रणाली, परिवार, समाज व्यवस्था में मूल्य आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु सिफारिश, ताकि आरंभ से ही नकारात्मक व नकारात्मक मनोवृत्ति के विकास को रोका जा सके।

(vi) खेल विनियामक संस्थाओं को भी ऐसे प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही लेने हेतु सक्षम बनाने के लिए आवश्यक प्रावधानों की सिफारिश। ताकि आंतरिक नियंत्रण भी आरोपित नैतिकता की गतिविधि को बढ़ावा मिले।

वस्तुतः सार्वजनिक व्यक्तित्व का दर्जा रखने वाले खिलाड़ियों द्वारा की गई किसी भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकार की टिप्पणी समाज को गहरे स्तर तक प्रभावित करती है क्योंकि ये मात्र केवल समाज के प्रतिनिधि होते हैं, बल्कि उसे प्रभावित करने की भी क्षमता रखते हैं। ऐसे में नकारात्मक विचार समानता, सहिष्णुता को क्षति पहुंचा सकते हैं।

इसी संदर्भ में खिलाड़ियों पर अतिरिक्त सामाजिक दायित्व को स्वीकार किया जाता है तथा व्यवहार को नियमित किए जाने का समर्थन किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इस मुद्दे के समाधान के लिये वर्तमान सरकार असम जैसे राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन बनाने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास से अवैध प्रवासियों की पहचान हो सकेगी तथा वैध नागरिकों के लिये संसाधनों को सुरक्षित किया जा सकेगा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को भी कम किया जा सकेगा, किंतु राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन के साथ कई नैतिक एवं विधिक चिंताएँ भी उभरती हैं तथा यह रजिस्टर प्रवासन की समस्या के एक सीमित पक्ष को ही संबोधित करने में सक्षम है। आपको राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जुड़ी समस्याओं तथा अवैध प्रवासन की चुनौती से निपटने हेतु सलाह देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने सुझावों में समस्या से जुड़े विषयों को समग्र रूप से संबोधित कीजिये।

उपर्युक्त परिस्थितियों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताओं को बताते हुए अपने द्वारा समस्या के समाधान हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले नवीन उपायों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Illegal migration has been a sensitive issue in the north-eastern states of India. To address this issue, the present Government is making efforts to update the National Register of Citizens in a state like Assam. This effort will enable identification of illegal migrants and secure resources for legitimate citizens and also address concerns related to internal security. But with the implementation of the National Register of Citizens, many ethical and legal concerns are emerging and this register is able to address only a limited aspect of the migration problem. You have been appointed as the Chairman of the Committee for dealing with problems related to the NRC and the challenge of illegal migration, and it is expected that in your suggestions, you should address issues related to the problem in totality.

In the above circumstances, mention the ethical concerns associated with the implementation of the National Register of Citizens and discuss the new measures that are proposed to be put in place by you to address the problem. (250 words) 20

उपरोक्त प्रकरण क्षेत्र विशेष में अवैध प्रवसन से निपटने से प्राप्त लाभ, तो दूसरी ओर उत्पन्न नैतिक व विधिक चिंताओं के बीच द्वंद्व को संदर्भित करता है, जहाँ समस्या समाधान हेतु एक व्यापक, समग्र रणनीति की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आवश्यकता महसूस की जाती है।

प्रकरण में हितधारक -

i) स्थानीय लोग।

ii) अवैध प्रवासी।

iii) सरकार।

iv) मैं (समिति का अध्यक्ष)

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्ट्रार के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताएँ -

i) विभिन्न समूहों के बीच आपसी संघर्ष बढ़ने की आशंका।

ii) कई वैध नागरिकों के रजिस्ट्रार में शामिल न होने से पूरी प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न के उठने का डर।

iii) निष्पक्षता व वस्तुनिष्ठता के साथ कार्य करने के लिए प्रशासनिक सत्यनिष्ठा को बनाए रखना का मुद्दा।

iv) लोगों का प्रशासन में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सर्वसम्मत बनाए रखने का मुद्दा, ताकि शांति-व्यवस्था भंग न हो।

iv) अवैध प्रवासियों के साथ किए जाने वाले व्यवहार का मुद्दा जैसे बंदी गृह में रखना आदि।

v) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को भी प्रभावित न होने देने का मुद्दा। जैसे बांग्लादेश के साथ संबंध।

vi) स्थानीय संस्कृति, आंतरिक सुरक्षा के साथ मानवीय परिप्रेक्ष्य में अवैध प्रवासियों के प्रति कार्यवाही का मुद्दा।

समिति के अध्यक्ष के रूप में सुझाव-

i) प्रक्रिया को पारदर्शी, वस्तुनिष्ठ बनाया जाए।
इसहेतु नागरिक संगठनों, सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना, ताकि प्रक्रिया की गैरतरजीहपता बनी रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) चूँकि नागरिक रजिस्टर के तहत अवैध प्रवासियों के पहचान करने तक ही सीमित है। अतः पहचाने गए लोगों के साथ फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल, उच्च न्यायालय आदि में अपील तक की समयावधि में उचित व्यवहार करना; ताकि स्थानीय लोगों के साथ संघर्ष न बढ़े जैसे बंदी गृहों की स्थिति में सुधार आदि।

(iii) मामले को धार्मिक, राजनीतिक रंग देकर अल्पकालिक लाभ प्राप्ति का उद्देश्य रखने वाले समूहों के विनियमन से संबंधित प्रावधान। ताकि माहौल शांतिपूर्ण बना रहे।

(iv) नए आप्रवासन को रोकने हेतु सिफारिशें। जैसे सशक्त सीमा प्रबंधन; ताकि स्थिति और जटिल न बने।

(v) नागरिक रजिस्टर के साथ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रावधान
नागरिकता (संशोधन) को सम्मिलित रूप से क्रियान्वित करने पर बल ताकि केवल एक क्षेत्र पर ही अतिरिक्त दबाव न पड़े।

(vi) राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने पर बल, ताकि न तो अवैध प्रवासी एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर पहचान गुप्त रख सके और न ही समस्या समाधान को केवल एक क्षेत्र विशेष की समस्या तक सीमित रखा जा सके।

उपरोक्त व अन्य प्रयासों से न केवल नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से पैदा समस्याओं को दूर किया जा सकेगा बल्कि लाभार्थियों तक सरकारी योजना का लाभ पहुंचाने से विकास भी स्थायी बन सकेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. भारत में कभी 'रैट होल माइनिंग' तो कभी 'ओपन कास्ट माइनिंग' से जुड़ी बड़ी खनन आपदाएँ होती रही हैं। इन आपदाओं के पीछे भारत में होने वाला अवैज्ञानिक, अवैध तथा असुरक्षित खनन मुख्य कारण है। जब भी ऐसी आपदाएँ देश में चर्चा का केंद्र बनती हैं तो पदासीन सरकारें तथा प्रशासन तात्कालिक स्तर पर इसका समाधान भी कर देते हैं किंतु इस तरह की आपदाओं को रोकने हेतु सतत् समाधान के प्रति उदासीनता दिखाई पड़ती है, जिससे बार-बार ये आपदाएँ घटित होती हैं। ऐसी आपदाओं के बाद एक प्रशासकीय प्रवृत्ति यह भी देखी जाती है कि इसके लिये मुख्यतः सामान्य मानवीय मूल्यों को ही दोषी ठहराया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में असुरक्षित खनन गतिविधियों को सरकार व प्रशासन की मौन सहमति तथा खनिकों (Miners) का इस ओर आकर्षण मुख्यतः राजस्व एवं रोजगार की प्राप्ति से जुड़ा हुआ है, किंतु इस प्रकार की गतिविधियाँ जनधन की व्यापक हानि तथा पर्यावरणीय अवनति को भी उत्पन्न करती है। अतः ऐसी आपदाओं को घटित होने से रोकने तथा घटित होने के पश्चात् इनका सामना करने की समग्र तैयारी होनी चाहिये।

(a) उपरोक्त प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को उद्घाटित कीजिये।

(b) एक सक्षम अधिकारी के रूप में आप कुछ ऐसी व्यावहारिक रणनीतियों की चर्चा कीजिये, जिससे ऐसी आपदाओं को रोका जा सके एवं इनका सामना किया जा सके। (250 शब्द) 20

From 'rat hole mining' to 'open cast mining', India has witnessed major mining disasters. The main reason behind these calamities is the unscientific, illegal and unsafe mining in India. As and when such disasters are in the news, the incumbent governments and administration address it at the immediate level. But there is indifference to providing sustainable solutions which frequently causes such disasters. After such calamities, an administrative tendency has also been observed which puts the blame on victims.

The tacit consensus of the government and administration to unsafe mining activities in India and the attraction of miners are mainly linked to revenue and employment realization. But such activities also lead to widespread loss to public exchequer and environmental degradation. Therefore, there should be a holistic preparedness to prevent such calamities and to comprehensively cope if they occur.

(a) Identify the underlying ethical issues in the above case.

(b) As a competent authority, discuss some of the feasible strategies to prevent and combat such calamities. (250 words) 20

उपरोक्त प्रकरण देश के विभिन्न राज्यों यथा मेघालय आदि में खनन आपदाओं के प्रति दीर्घकालिक प्रशासनिक रणनीति के अभाव व इन आपदाओं के कारण होने वाली क्षति को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रदर्शित करता है।

प्रकरण में हितधारक -

ii) खनन कार्यों में संलग्न व्यक्ति -

a. मजदूर

b. खानमालिक

iii) सरकार

iiii) पर्यावरण सुरक्षा के समर्थक

प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दे -

i) गरीमापूर्ण आजीविका साधन प्राप्ति का मुद्दा क्योंकि खनिक राजस्व, रोजगार के लिए इन जोखिम भरे कार्यों में संलग्न होते हैं।

ii) पर्यावरणीय क्षति के कारण पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा।

iiii) दीर्घकालिक प्रशासनिक रणनीति के अभाव के कारण समस्या समाधान के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव का मुद्दा।

iv) अपनी असफलता को छुपाने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

हेतु सामान्य मानवीय मूल्यों को दोषी ठहराने का दृष्टिकोण। इससे प्रशासन के प्रति जन-पारदर्शिता में ह्रास का मुद्दा।

iv) सरकार व प्रशासन की मूक सहमति से जन-समस्या समाधान के प्रति उपेक्षा का दृष्टिकोण।

सक्षम अधिकारी के रूप में व्यावहारिक रणनीति हेतु सुझाव-

लक्ष्य = a. अवैध, अवैज्ञानिक, असुरक्षित खनन पर रोक।

b. संलग्न लोगों एवं निकायों के जीवन स्तर में सुधार।

रणनीति -

i) मौजूदा कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, ताकि अवैध गतिविधियों को रोका जा सके।

iii) असुरक्षित खनन के कारण होने वाली घटनाओं में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षतिपूर्ति को कम करने हेतु स्थानीय संस्थाओं, तकनीक- GIS प्रणाली आदि, परिवहन संरचना आदि के विकास पर बल।

iiii) खानों में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग को सुनिश्चित करने व मानक व्यवस्था अपनाने को तय करने हेतु समय-समय पर अंकेक्षण तथा जाँच। उल्लंघन पर कार्यवाही की निश्चितता।

iiv) स्थानीय लोगों तक सरकारी योजनाओं की पहुँच में विस्तार, ताकि मजबूरन देट होल माइनिंग जैसे कार्यों में विवश न होना पड़े।

iv) समस्या के अल्पकालिक समाधान की बजाय दीर्घकालिक समाधान हेतु विकास कार्यों को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों
से जोड़ने पर बल।
- संवेदनशील क्षेत्रों में खनन आदि
गतिविधियों का निषेध।
- प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत
बनाए जाने हेतु स्वास्थ्य
प्रणाली का सशक्तीकरण।

(vi) राजनीतिक-प्रशासनिक-
प्रशासनिक गठजोड़ को तोड़ने
पर बल, ताकि कानून का
प्रभावी पालन हो।

उपरोक्त के अलावा
कदम न केवल लोगों को इन
कार्यों से मुक्त करवाएँगे, बल्कि
रोजगार के अन्य साधन
उपलब्ध करवाकर समस्या के
समाधान में सहायक सिद्ध होंगे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation